हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार 31 मार्च 2026

13 कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा व सरकार की...

14 5 साल के लिए 12 करोड़ का टेंडर, फिर भी सफाई व्यवस्था बेपटरी

सरकारी स्कूलों की सुधरेगी सूरत : छोटे कार्यों पर एक लाख तक खर्च की मंजूरी, हेडमास्टर होंगे जिम्मेदार

अब स्कूल स्तर पर ही छोटे मोटे मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा पूरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

प्रदेश सरकार ने राज्य के सरकारी हाई और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में साफ-सफाई, पेयजल और आधारभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति को गंभीरता से लेते हुए बड़ा कदम उठाया है।

स्कूल निरीक्षण के दौरान सामने आई खामियों जैसे टूटी बाउंड्री वाल, खराब शौचालय, बंद पड़े नल और गंदगी के ढेर-को देखते हुए शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उप निदेशक (वर्क्स) कार्यालय प्रधान सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार अब स्कूल स्तर पर ही छोटे-मोटे मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इसके लिए प्रिंसिपल और हेडमास्टरों को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्कूल प्रमुख स्वयं स्थिति का आकलन कर समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्य करवाएं, ताकि छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित, स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण मिल सके।

इन कार्यों को दी गई प्राथमिकता

निर्देशों में जिन कार्यों को तत्काल करने को कहा गया है, उनमें बाउंड्री वाल और तारबाड़ की मरम्मत, जर्जर दीवारों का सुधार, पेयजल व्यवस्था (पाइप, नल, टैंक) की ठीक-ठाक स्थिति, शौचालयों की मरम्मत और साफ-सफाई, तथा स्कूल परिसर से कूड़े के ढेर हटाना शामिल है। साथ ही जहां जलभराव जैसी समस्या है, वहां भी तुरंत सुधार करने को कहा गया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि सरकार ने इन निर्देशों को टॉप प्रायोरिटी बताते हुए साफ कर दिया है, किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी स्कूलों की ओर तस्वीर निखरेगी। साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

'बाल कल्याण निधि' से भी होगा खर्च

जिन कार्यों की लागत एक लाख रुपये से कम है, उन्हें उपलब्ध 'चिल्ड्रन वेलफेयर फंड (सीडब्ल्यूएफ)' से पूरा करने की अनुमति दी गई है। वहीं, यदि किसी स्कूल में पर्याप्त धन उपलब्ध नहीं है, तो वे सात दिनों के भीतर मुख्यालय को प्रस्ताव भेज सकते हैं।

साप्ताहिक रिपोर्ट अनिवार्य

निर्देशों के अनुसार इन कार्यों की निगरानी करेंगे और हर सप्ताह मुख्यालय को रिपोर्ट भेजेंगे। खास बात यह है कि इन कार्यों के लिए अब डायरेक्टोरेट से अलग से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी, जिससे प्रक्रिया तेज होगी।

स्थानीय खरीद समिति करेगी फैसला

सरकार ने 10 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक के खर्च वाले कार्यों के लिए स्कूल स्तर पर तीन सदस्यीय 'लोकल परचेज कमेटी' बनाने के निर्देश दिए हैं। यह समिति बाजार सर्वे कर उचित दर और गुणवत्ता सुनिश्चित करेगी तथा विश्वसनीय सप्लायर का चयन करेगी। एक वित्तीय वर्ष में कुल खर्च की सीमा पांच लाख रुपये तय की गई है।

अटेली में युवती की मौत जांच में जुटी पुलिस

मंडी अटेली। शहर के वार्ड नंबर दो स्थित कृष्ण कुंज कॉलोनी में एक 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवती अपने परिवार के साथ यहां किराए के मकान में रह रही थी। बताया जा रहा है कि घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

खबर संक्षेप

जिला महेंद्रगढ़ जूनियर स्टेट एथलेटिक मीट ट्रायल्स कल

मंडी अटेली। जिला महेंद्रगढ़ के जूनियर (अंडर-20) स्टेट एथलेटिक मीट के ट्रायल्स का आयोजन एक अप्रैल को अटेली के विध्या देवी इंटरनेशनल स्कूल में किया जाएगा। इस संबंध में जिला एथलेटिक्स सचिव प्रदीप यादव ने बताया कि यह ट्रायल्स आगामी 15वीं हरियाणा राज्य जूनियर (अंडर-20) एथलेटिक्स चैंपियनशिप, जोकि चार-पांच अप्रैल को करनाल के करन स्टेडियम में आयोजित होगी, में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का चयन होगा।

हनुमान जयंती पर भंडारा 2 को

नारनौल। पुरानी कचहरी स्थित पानी की टंकी वाले बाबा चमत्कारी हनुमान मंदिर प्रांगण में हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर अमृतमय भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी ने बताया कि दो अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर टंकी वाले बाबा मंदिर प्रांगण में भंडारे का आयोजन होगा।

बुचावास में बाबा भैया का मेला कल

कनीना। बुचावास में एक अप्रैल को बाबा भैया मेले का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व 31 मार्च को रात्रि जागरण होगा। मेले में मुख्यातिथि सरपंच प्रवीन कुमार होंगे, वहीं विशिष्ठ अतिथि पूर्व सरपंच अजीत सिंह, हिमांशु यादव व जिला पार्षद रामकिशन उपस्थित रहेंगे। वहीं हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दो अप्रैल को कनीना स्थित 132 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन प्रांगण में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इधर, बाबा बुर्जेश्वर धाम में भी हनुमान जन्मोत्सव पर जागरण व भंडारे का आयोजन होगा। समारोह के मुख्य अतिथि जिला पार्षद प्रमुख डॉ. राकेश कुमार होंगे।

महेंद्रगढ़ नपा का मामला, चेयरमैन रमेश सैनी ने लगाए आरोप

अधिकारियों के रवैये से नाखुश चेयरमैन इस्तीफा देने को तैयार

नारनौल पहुंच डीसी से मुलाकात कर दी लिखित शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

नगर पालिका चेयरमैन रमेश सैनी ने नगर में विकास कार्यों की चिंताजनक स्थिति के संबंध में उपायुक्त से मुलाकात कर न केवल लिखित शिकायत दी है, बल्कि सुनवाई नहीं होने पर उनके सम्मुख चेयरमैन पद से त्याग पत्र देने की भी पेशकश कर दी है। इससे मामला राजनीतिक गलियारों में हवा गर्म हो गई है, क्योंकि प्रदेश से लेकर नगर तक राज सत्ताधारी दल का है। जो अधिकारी काम के लिए लगा रखे हैं, वह भी इनकी ही देन है। ऐसे में विकास कार्यों में चेयरमैन का खिन्न होना, इनमें घटिया सामग्री इस्तेमाल होने एवं मानकों पर खरा नहीं उतरने पर खुद ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस संदर्भ में चेयरमैन रमेश सैनी ने बताया कि वर्तमान समय में महेंद्रगढ़ नगर में चल रहे विकास कार्यों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। आमजन द्वारा सरकार को दिए जाने वाले कर (टैक्स) के धन के दुरुपयोग एवं संभावित अनियमितताओं के संबंध में प्रशासन को अवगत करवाना अत्यंत आवश्यक प्रतीत होता है। एकबार स्वयं नगर क्षेत्र में फील्ड स्तर पर निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का अवलोकन करना उचित रहेगा।

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था

चेयरमैन ने बताया कि बिना किसी ठोस योजना एवं पर्याप्त संसाधनों के इस कार्य की शुरुआत की गई है, जिससे भविष्य में इसकी सफलता संदिग्ध प्रतीत होती है। उन्होंने बताया कि विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली है कि मुख्य एजेंसी द्वारा स्थानीय स्तर पर किसी एजेंसी से सांठगांठ की संभावना है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

हेल्प डेस्क का अभाव

नगरपालिका कार्यालय में आमजन की सुविधा हेतु कोई पूछताछ केंद्र/हेल्प डेस्क स्थापित नहीं किया गया है, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क एवं नाली निर्माण में अनियमितताएं

चेयरमैन रमेश सैनी ने बताया कि नगरपालिका द्वारा निर्मित सड़कों का लेवल सही नहीं रखा जा रहा है, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है। नालियों का निर्माण गुणवत्ता अनुसार नहीं किया जा रहा तथा कई स्थानों पर बिना उचित सर्वे के कार्य किए जा रहे हैं। पुरानी टाइलों को निकालने एवं पुनः लगाने में भी भ्रष्टाचार की आशंका है। नालियों के गंदे पानी को नियमानुसार सीवर से नहीं जोड़ा जा रहा। साथ ही यह भी गंभीर तथ्य सामने आया है कि निर्माण कार्यों के एस्टीमेट तैयार करते समय पानी निकासी एवं साइड की गलियों के लेवल का समुचित ध्यान नहीं रखा जा रहा, जिस कारण कई स्थानों पर साइड की गलियां मुख्य सड़क से नीचे रह जा रही हैं और वहां स्थायी जलभराव की समस्या उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर नियमित निरीक्षण नहीं किया जा रहा है, जो कि स्पष्ट रूप से लापरवाही को दर्शाता है और घटिया निर्माण कार्यों को बढ़ावा देता है।

प्रधान द्वारा जारी नोटिसों की अवहेलना

सैनी ने बताया कि यह भी अत्यंत गंभीर विषय है कि नगरपालिका प्रधान द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नोटिसों एवं निर्देशों का नगरपालिका अधिकारियों द्वारा न तो कोई लिखित उत्तर प्रस्तुत किया जा रहा है और न ही अनुपालन रिपोर्ट दी जा रही है, जो कि स्पष्ट रूप से प्रशासनिक अनुशासनहीनता एवं आदेशों की खुली अवहेलना को दर्शाता है। उपरोक्त सभी बिंदुओं के संबंध में समय-समय पर मौखिक रूप से एवं पत्राचार के माध्यम से संबंधित अधिकारियों (डीएमसी) को अवगत करवाया जा चुका है, किन्तु आज दिन तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जो अत्यंत गंभीर विषय है। सैनी ने उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार से विनम्र अनुरोध किया है कि उक्त सभी मामलों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए स्वयं फील्ड स्तर पर निरीक्षण करें अथवा उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करवा कर दोषी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नगर में विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

कार्यालयीन अनुशासन एवं रिकॉर्ड प्रबंधन की स्थिति

सैनी ने आरोप लगाते हुए बताया कि नगरपालिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आने-जाने का कोई निर्धारित समय नहीं है तथा वे अधिकांश समय अपनी सीटों से अनुपस्थित पाए जाते हैं। साथ ही यह अत्यंत गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है कि नगरपालिका में गायब एवं मौजूदा रिकॉर्ड की कोई समुचित सूची तक उपलब्ध नहीं है। इस विषय में अनेक बार अधिकारियों को निर्देशित किया जा चुका है, किंतु आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे आमजन को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता पूर्णतः प्रभावित हो रही है।

इस्तीफे की पेशकश

अत्यंत खेद के साथ अवगत करवाना पड़ रहा है कि नगरपालिका अधिकारियों द्वारा उनके निर्देशों की लगातार अवहेलना की जा रही है। नगर में हो रहे विकास कार्यों में अनियमितताओं की न तो जांच करवाई जा रही है और न ही आमजन से प्राप्त शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार की स्थिति में आमजनता के हितों की रक्षा करना एवं उनके धन के सही उपयोग को सुनिश्चित करना अत्यंत कठिन हो गया है। यदि उठाए गए मुद्दे एवं अनियमितताओं के आरोप जांच में असत्य सिद्ध होते हैं, तो वह पूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश करते हैं।

जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा सड़कों की मरम्मत न करना

सीवर लाइन एवं पेयजल कार्यों के लिए तोड़ी गई सड़कों की मरम्मत जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुनः नहीं करवाई जा रही है, जिससे आमजन को भारी परेशानी हो रही है। इस विषय में भी नगरपालिका द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की खराब स्थिति

नगर में अनेक स्थानों पर स्ट्रीट लाइटें, हाईमास्ट लाइटों की मोटर एवं अन्य सामग्री गायब पाई गई है। इस संबंध में कोई भी अधिकारी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। इसकी विस्तृत जांच आवश्यक है।

अतिक्रमण पर निष्क्रियता

उन्होंने बताया कि नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई केवल एसडीएम महोदया के हस्तक्षेप से ही संभव हो पाती है। नगरपालिका अधिकारियों द्वारा इस विषय में कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई जा रही है।

जांच का आश्वासन मिला

चेयरमैन रमेश सैनी द्वारा प्रस्तुत शिकायत की उपायुक्त ने एसडीएम महेंद्रगढ़ को फॉरवर्ड कर जांच कराने तथा उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई का अभाव

नगर में अनेक अवैध व्यावसायिक एवं अन्य निर्माण कार्य जारी हैं, जिन पर केवल औपचारिक नोटिस देकर कार्रवाई समाप्त कर दी जाती है। आज तक किसी भी अवैध निर्माण को प्रभावी रूप से नहीं रोका गया है, जिससे अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की आशंका उत्पन्न होती है।

महेंद्रगढ़। प्राचार्य को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

महिला कॉलेज के परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महाविद्यालय इकाई ने परीक्षा परिणाम में हुई गड़बड़ी को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय रेवाड़ी के रजिस्ट्रार के नाम संबोधित किया गया।

विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बताया कि हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में गंभीर त्रुटियां सामने आई हैं। विशेष रूप से बीए इंग्लिश ऑनर्स तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को दो विषयों में अनुपस्थित दर्शाया गया है, जबकि सभी छात्राओं ने नियमित रूप से परीक्षा दी थी। इसके अतिरिक्त अन्य विषयों के परिणामों में भी अंकन से संबंधित कई प्रकार की गड़बड़ियां देखने को मिली हैं। इस संबंध में परिषद कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की त्रुटियां विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य के साथ खिलवाड़ है तथा इससे विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मांग की कि परीक्षा परिणामों की निष्पक्ष जांच कराई जाए, संबंधित विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन किया जाए तथा शीघ्र ही संशोधित परिणाम जारी कर विद्यार्थियों को राहत प्रदान की जाए।

साथ ही भविष्य में ऐसी त्रुटियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की गई। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष निशु के नेतृत्व में रेणु, दिव्या, करिश्मा, कशिश, निशु, राखी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नियमों की अनदेखी पर निजामपुर गैस एजेंसी पर केस

नारनौल। निजामपुर स्थित एक एलपीजी गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग के उप निरीक्षक अशोक कुमार की शिकायत पर संबंधित गैस एजेंसी के खिलाफ थाना निजामपुर में मुकदमा दर्ज किया गया है। विभागीय जांच के दौरान सामने आया कि एजेंसी पर स्टॉक बोर्ड और रेट लिस्ट पूरी तरह प्रदर्शित नहीं थे, वहीं मौके पर स्टॉक रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं मिला। वहीं निरीक्षण टीम को आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए। विभाग ने इस पूरे मामले को एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 7 व 10 का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई की सिफारिश की है। जहां रविवार को निजामपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस विषय मे निजामपुर थाना प्रभारी ने बताया कि उनके पास विभाग की तरफ से शिकायत मिली थी जिसको लेकर मुकदमा दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई जारी है।

महेंद्रगढ़। मंदिर में सफाई करते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

माता भूरा भवानी मंदिर सिसोठ में चलाया स्वच्छता अभियान

महेंद्रगढ़। स्वच्छता ही सेवा है, इस अभियान को लेकर माता भूरा भवानी मंदिर कमेटी एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सिसोठ के सदस्यों ने मेला के बाद सफाई अभियान चलाकर माता भूरा भवानी मंदिर परिसर एवं खेल मैदान की सफाई की। मंदिर कमेटी के प्रेस सचिव एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम के सदस्य मुकेश चौहान व मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव, सहकोषाध्यक्ष शिव कुमार ने बताया कि जहां स्वच्छता होती है, वहां देवताओं का निवास होता है और मन आनंदित रहता है। गत 27 मार्च शुक्रवार को माता भूरा भवानी का मेला और भंडारा का आयोजन हुआ था। मंदिर परिसर और खेल मैदान में कूड़ा कचरा इकट्ठा हो गया था। भंडारे की वजह से डिस्पोजल और प्रसाद के थैली इधर-उधर उड़ रही थी। कमेटी सदस्यों ने मेला समापन के बाद सफाई अभियान चलाकर मंदिर परिसर और खेल मैदान को साफ किया। इस सफाई अभियान में महंत शक्तिनाथ महराज के सानिध्य में महिलाओं ने अपना पूरा योगदान दिया। उन्होंने पूरे मंदिर परिसर को धोया और उसकी सफाई की, मंदिर कमेटी एवं ममाज टीम सदस्यों ने पूरे मंदिर परिसर एवं खेल मैदान का कुड़ा कचरा साफ किया। इस सफाई अभियान में पुजारी धर्मदत्त जोशी, कोषाध्यक्ष परमजीत, शिवकुमार, सुनील, अमित शर्मा, ललित, दिनेश, रवि, बजरंगी, विक्की चौहान, ओमप्रकाश साहब, राधेश्याम, विनोद, दिनेश आदि शामिल रहे।

जन परिवेदना समिति की बैठक आज

नारनौल। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में 31 मार्च को दोपहर एक बजे लघु सचिवालय के नजदीक सभागार में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक लेंगे। इसमें अब 16 के बजाय 17 मामले सुनवाई के लिए रखे जाएंगे, जिनका संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर से समाधान किया जाएगा। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी के दो, पुलिस विभाग का एक, अतिरिक्त उपायुक्त का एक, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के दो, दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम का एक, नगर परिषद के दो, उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त के दो, सिविल सर्जन का एक, लोक निर्माण विभाग का एक, तहसीलदार कनीना का एक, जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक का एक, सहायक खनन अभियंता नारनौल का एक व सचिव नगर पालिका कनीना का एक मामला सुनवाई के लिए रखा जाएगा।

- अब 16 के बजाय 17 मामले रखे जाएंगे

3.44 करोड़ की लागत से एक दर्जन गांवों में लगेंगे बोरवेल

- 8 से 10 हजार लोगों को मिलेगी राहत
- सांसद के निर्देश पर विभाग ने भेजा ऐस्टिमेट, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेन्द्रगढ़

क्षेत्र के एक दर्जन गांवों में पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए एक दर्जन बोरवेल तैयार किए जाएंगे। गौर हो कि एक दर्जन गांवों की पंचायतों एवं आमजन ने सांसद धर्मबीर सिंह के सामने पीने के पानी की सप्लाई की समस्या रखी थी। इसका संज्ञान लेते हुए सांसद धर्मबीर सिंह ने जनस्वास्थ्य विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ को पत्र लिखकर इन गांवों में पीने के पानी के लिए बोरवेल लगाए जाने दिशा–निर्देश दिए थे। अब विभाग ने इन गांवों में बोरवेल लगाने के लिए ऐस्टिमेट मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिए हैं। इनमें से आधे बोरवेल तो पहले से लगे बोरवेल फेल हो जाने की सूरत में लगाए जा रहे हैं।

ये आएगी लागत

- गांव खायरा व निंभेड़ा में बोरवेल व 2 इंची पाइपलाइन : 53.21 लाख
- गांव भाण्डोर नीची व ऊंची, जासावास व कौथल कलां : 1.01 करोड़
- गांव गागडवास व माजरा खुर्द में बोरवेल निर्माण व पाइपलाइन बिछाना : 55.61 लाख
- गांव बुडीन, देवराली, खैरोली व पायगा में नए सिरे से बोरवेल निर्माण व पाइपलाइन बिछाना : 1.35 करोड़

इन गांवों में लगेंगे बोरवेल

जानकारी मुताबिक छह गांवों में पहले से लगे हुए बोरवेल के फेल हो जाने की वजह से नए बोरवेल लगाए जाएंगे। इन गांवों में खायरा, निंभेड़ा, भाण्डोर नीची, भाण्डोर ऊंची, जासावास व कौथल कलां शामिल हैं। जबक छह गांवों में नए सिरे से बोरवेल निर्माण किया जाएगा, जिनमें गागड़वास, माजरा खुर्द, बुडीन, देवराली, खैरोली व पायगा शामिल हैं।

गलत फायदा उठाने की कोशिश या कालाबाजारी पर होगी सख्ती

प्रशासन का दावा...जिले में नहीं है पेट्रोलियम पदार्थों व उर्वरकों की कमी

डीसी ने ली पेट्रोलियम पदार्थों तथा उर्वरक वितरकों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने सोमवार को सभागार में पेट्रोलियम पदार्थों व उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों के साथ सभागार में एक समीक्षा बैठक की। डीसी ने स्पष्ट किया कि जिले में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और फर्टिलाइजर का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसी भी नागरिक को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उपायुक्त ने कहा कि कुछ समय पहले कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जानबूझकर दुर्भावनापूर्ण तरीके से समस्याएं पैदा करने की कोशिश की गई थी। इस कारण आम जनता में थोड़ी संशय की स्थिति बनी थी, लेकिन प्रशासन की सख्ती के बाद अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

नारनौल। पेट्रोलियम पदार्थ व उर्वरक वितरक एजेंसी संचालक को संबोधित करते डीसी कैप्टन मनोज कुमार।

डीसी की अपील, अफवाहों से बचें नागरिक

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जनता से भी कहा है कि वे सोशल मीडिया पर फैलने वाली किसी भी प्रकार की भ्रांतियों व अफवाहों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि किसी भी जानकारी की पुष्टि केवल जिला प्रशासन के आधिकारिक माध्यमों से ही करें। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी एजेंसियां पुलिस व प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखें और किसी भी अप्रिय स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना समय रहते प्रशासन को दें।

इस समय प्रशासन का मुख्य फोकस होम डिलीवरी व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर है, ताकि जनता को उनके घर पर ही सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई भी एजेंसी या व्यक्ति इस स्थिति का गलत फायदा उठाने की कोशिश करेगा या कालाबाजारी में संलिप्त पाया गया, तो उसके खिलाफ सरकार के नियमानुसार कठोरतम कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे वितरण के दौरान भेदभाव ना करें। किसी भी प्रकार की स्थिति खराब होने से पहले ही संबंधित एसएचओ को सूचना दी जाए।

पूरे सप्ताह चालीस से अधिक घंटे काम करने के बाद कोई भी वर्किंग वूमेन वीकेंड आते-आते बर्न आउट हो सकती है। होममेकर की तो और ज्यादा दयनीय स्थिति हो जाती है, उसका तो कोई वीकेंड होता ही नहीं। हफ्ते के सातों दिन जी तोड़ मेहनत, एक-सी दिनचर्या। तो क्या आप चाहेंगी इस ट्रेंड को बदला जाए? निश्चित ही हम सभी एक बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। तो फिर हम क्यों न सुनें, थोड़ी अपने मन की, थोड़ी अपने दिल की।

सुनें अपने दिल की

कवर स्टोरी
अंशु सिंह

साल 2021 में शालिनी को मार्केटिंग एजेंसी में एक पसंदीदा नौकरी मिली थी। अपने चुने हुए करियर की दिशा में यह उनका पहला बड़ा कदम था। अगले ही वर्ष उन्होंने तय किया कि वे जगह-जगह दोबारा से घूमने के अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं। इसलिए उन्होंने अपनी एक ट्रैवल एजेंसी शुरू की। दो साल तक यात्रा जारी रखते हुए अपने बिजनेस को संभाला। लेकिन फिर वह पूरी तरह थक कर चूर हो गईं। अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। एड्रेनल बर्नआउट (अत्यधिक तनाव के कारण शरीर का थक जाना), रिश्तों में तनाव और जिंदगी की दूसरी परिस्थितियों के कारण पड़ने वाले दबाव की वजह से सब कुछ छोड़ना पड़ा। शालिनी बताती हैं, 'पूरे एक साल तक लगातार अपनी पूरी ऊर्जा झोंकने के बाद मेरी सारी शक्ति खत्म हो गई थी। लगभग हर दिन पैनिक अटैक से जूझने लगी थी। यहां तक कि घर के सबसे छोटे-मोटे काम भी बहुत भारी लगने लगे थे। फिर मैंने पाया कि अपने भीतर की कुछ खास भावनाओं या ऊर्जा पर ध्यान लगाने से मेरे मन को शांति मिली। अब मेरा फोकस सिर्फ इतना पैसा कमाने पर है, जिससे मेरी बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें।'

परफेक्ट बनने के चक्कर में उलझी जिंदगी

लेखिका एवं कोच जेस स्टुअर्ट भी कॉर्पोरेट जगत में काम करते हुए पूरी तरह से थक कर चूर हो गई थीं यानी 'बर्नआउट' की शिकार हो गई थीं। क्योंकि वह खुद को साबित करने और अपने आस-पास के हर किसी का ख्याल रखने में ही बहुत अधिक बिजी थीं। उनके अनुसार, वे एक साथ बहुत सारी चीजें संभालने की कोशिश कर रही थीं और उन सभी को एकदम परफेक्ट बनाना चाहती थीं। लेकिन इससे वह मुश्किल से ही तालमेल बिठा पा रही थीं। उन्हें जिम या काम पर जाने से पहले सुबह जल्दी उठकर योग करने की हिम्मत नहीं होती थी। वह खुद को ही कोसती रहती थीं। उन्हें एहसास हुआ कि यात्रा करने और मीटिंग्स में शामिल होने में ही वे घंटों बिता देती थीं। असल में अपनी जिंदगी नहीं जी रही थीं। अपनी किताब 'बर्नआउट टु ब्रिलियंस' में वे लिखती हैं, 'मैं अपने जुनून को पूरा करना चाहती थी। मैंने लंबे समय के रिश्ते, कॉर्पोरेट जगत का करियर छोड़ दिया और पूरी तरह से दिशा बदलने का फैसला किया। मैंने किताबें लिखनी शुरू की। बाली की यात्रा की। ब्रिटेन में उन लोगों के साथ समय बिताया, जिन्हें मैं प्यार करती थी। इन यात्राओं के बीच कई रिट्रीट और आश्रमों में भी समय बिताया। वहां मैंने योग, माइंडफुलनेस, मौन, ध्यान और खुद से जुड़ने के लिए समय निकाला। यह मेरी जिंदगी का एक अहम मोड़ साबित हुआ।'

जॉब से ब्रेक लेकर पूरे करें पैशन

हमें उदाहरण के तौर पर कई ऐसी महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने करियर में ऊंची उड़ानें भरीं-मोटे सैलरी पैकेज के साथ उन्हें कंपनी की गाड़ी और शानदार घर भी मिला। जिंदगी भरपूर एंज्वॉय के साथ चलने लगी। 35 साल की उम्र तक लगा कि सब हासिल कर लिया है। लेकिन एक दिन उन्हें एहसास होता है कि वह तो भागती जिंदगी का हिस्सा बनकर रह गई हैं। असली खुशी नहीं मिल रही है। अंदर से खालीपन महसूस हो रहा है। वे यह भूल चुकी थीं कि उनके लिए क्या जरूरी है और असल में उन्हें क्या चाहिए? उनकी सेहत बिगड़ने लगी। तब उन्होंने पहली बार 'बर्नआउट' (मानसिक और शारीरिक थकावट) का अनुभव किया। ऐसी थकान होने लगी कि कितनी भी नींद या लंबा वीकेंड उसे दूर नहीं कर पातीं। ऐसा लगता जैसे कि सारी ऊर्जा खत्म हो चुकी है। लगभग हर चीज के लिए अपना उत्साह खो दिया है। अंत में उन्होंने सब कुछ छोड़ने का निर्णय लिया। नई शुरुआत की। उन्हें लगा म्यूजिक सीखना चाहिए, पेंटिंग करनी चाहिए। अपने पैशन को जीना चाहिए। उन्होंने वह सब करना शुरू किया, जिसकी चाहत उन्हें बरसों से थी। ऐसा होते ही वह खुश रहने लगीं।

बर्नआउट का हेल्थ पर असर

दरअसल, आधुनिक भारतीय परिदृश्य महिलाओं के लिए एक विरोधाभासी वास्तविकता प्रस्तुत करता है। जहां एक ओर पेशेवर अवसर बढ़े हैं, वहीं घरेलू जीवन की संरचनात्मक अपेक्षाएं कठोरता से बनी हुई हैं। महिलाओं को दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ता है। तनावपूर्ण करियर के साथ-साथ परिवार की देखभाल की भूमिका निभानी होती है। यह दीर्घकालिक तनाव उनके स्वास्थ्य पर लगातार प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इसलिए पूरे हफ्ते काम करने के बाद बर्नआउट आम बात हो गई है। यह केवल एक सामाजिक घटना नहीं, बल्कि चिकित्सकीय चिंता का विषय बन गई है। साल 2024-25 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में लगभग 28.6 प्रतिशत महिलाएं चिंता से ग्रस्त हैं, जबकि 22 प्रतिशत से अधिक महिलाओं में अवसाद के लक्षण पाए गए। असल में ये पारिवारिक जीवन से संबंधित चीजों की योजना बनाने, समन्वय करने और याद रखने के अदृश्य कार्य, मानसिक बोझ का सामूहिक तनाव हैं।

संतुलन से बनेगी बात

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि प्रति सप्ताह 55 घंटे या उससे अधिक काम करने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम काफी बढ़ जाते हैं। इनमें हृदय रोग और स्ट्रोक शामिल हैं। इन निष्कर्षों ने काम के लंबे घंटों के बजाय व्यवस्थित लचीलेपन की मांग को और मजबूत किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बर्नआउट को आईसीडी-11 के तहत एक व्यावसायिक घटना के रूप में वर्गीकृत किया है। यही कारण है कि कार्यस्थल पर बर्नआउट की समस्या को मान्यता मिली है और टिकाऊ कार्य घंटों के बारे में चर्चा तेज हो गई है। इस संदर्भ में लाइफ कोच शांभवी की सलाह ध्यान देने वाली है, वह कहती हैं, 'जीवन वैसे भी संतुलन का दूसरा नाम है। आज के दौर के शहरी जीवन में पुरुष-महिला दोनों का काम करना जरूरी है। क्योंकि महिलाओं की जिम्मेदारी दोहरी हो जाती है। इसलिए उन्हें अपनी सेहत का पूरा खयाल रखना है। अपनी नींद पूरी करनी है। उन्हें अपने खानपान का उतना ही ध्यान रखना है, जितना वे परिवार के दूसरे सदस्यों का रखती हैं। नाश्ते में प्रोटीन लेना नहीं भूलना है और न नियमित अंतराल में पानी पीना। वे जितना अधिक शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखेंगी, उतना अच्छा परिणाम मिलेगा। महिलाएं अपने शौक पूरे कर सकती हैं। दोस्तों एवं परिजनों के साथ छुट्टियों पर जा सकती हैं, क्योंकि जब मन चंगा, तो सब चंगा।'

पत्नी को ऐसे महसूस कराएं खास

जिस तरह पत्नी, पति को खुश रखने में कोई कसर नहीं छोड़ती, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखती है ताकि पति को कोई परेशानी ना हो। पति का भी यह दायित्व बनता है, वह भी अपनी पत्नी का ख्याल रखे, उसे कुछ खास महसूस कराए। इसके लिए वे किन बातों का ध्यान रखें, जानिए।

मैंस कॉर्नर
स्नेहा सिंह

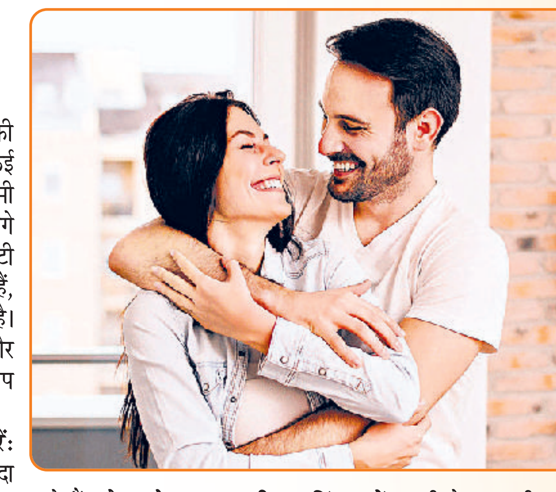

पत्नी को खुश करने की कोशिश करने वाले कई पुरुषों को यह गलतफहमी होती है, उन्हें खुश करने के लिए महंगे उपहार देना चाहिए, जबकि वे छोटी-छोटी बातों से बड़ी आसानी से खुश हो जाती हैं, महंगे तोहफे की कोई जरूरत नहीं है। आइए जानते हैं, पत्नी को खुश रखने और उसे खास महसूस कराने के लिए आप किन बातों का ध्यान रखें-

अपने प्रेम को अभिव्यक्त करें: अधिकांश महिलाओं को वे पुरुष ज्यादा पसंद आते हैं, जो उनसे खुलकर प्रेम जताते हैं। तो समय-समय पर पत्नी को गले लगाएं, अपने प्यार को शब्दों और व्यवहार से व्यक्त करें। सच्चे प्रेम की अभिव्यक्ति बहुत गहरा असर करती है। इससे न केवल पत्नी खुश होती है, पति-पत्नी दोनों का रिश्ता और गहरा होता है।

कभी-कभी ब्रेकफास्ट बनाएं: अगर आप सुबह उठकर पत्नी के लिए चाय-कॉफी या हल्का नाश्ता बनाएंगे तो यह उसके लिए एक प्यारा सरप्राइज होगा। आपको नाश्ता और खाना बनाना नहीं आता है तो आजकल इंटरनेट से नई डिशेज की रेसिपी सीखी जा सकती है। एक बार आप नई डिश बनाना शुरू करेंगे तो कोई भी डिश आसानी से बना लेंगे।

अच्छे श्रोता बनें: महिलाओं को ऐसे पुरुष अच्छे लगते हैं, जो उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं। जब भी पत्नी आपसे बात करे, तो मोबाइल या टीवी देखने के बजाय उसकी आंखों में देखकर उसकी बातें ध्यान से सुनें। इससे निश्चित ही आपकी पत्नी खुद को खास महसूस करेगी।

डेट नाइट की प्लानिंग करें: शादी के बाद भी पत्नी अपने पति के साथ खास समय बिताना चाहती है। आप कभी-कभी डेट नाइट की प्लानिंग बनाएं। बाहर जाकर किसी अच्छे होटल में पत्नी की पसंद का खाना खाएं, साथ में अच्छा समय बिताएं। इससे उसे महसूस होगा कि वह आपके लिए बहुत खास है।

पत्नी को दें भावनात्मक सुरक्षा: पत्नी की सिर्फ शारीरिक सुरक्षा ही नहीं, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। अपनी भावनाएं पत्नी से साझा करें, साथ ही उसकी भावनाओं को भी समझने की कोशिश करें। मुश्किल समय में उसका साथ दें और उसकी हिम्मत बनें। इससे पत्नी का आपके प्रति भरोसा और भी अधिक बढ़ेगा।

हाथ से बनी हुई भेंट दें: हाथ से लिखा हुआ पत्र, छोटा-सा कार्ड या स्वयं बनाया गया कोई उपहार पत्नी के लिए बेहद खास होता है। यह महंगे तोहफों से भी ज्यादा दिल को छूता है। इसलिए समय-समय पर पत्नी को हाथ से बनी चीजें दें।

सुबह प्यारा सा संदेश भेजें: दिन की शुरुआत एक अच्छे संदेश से करें। स्मार्टफोन इसके लिए बहुत यूजफुल रहेगा। जब सुबह के समय पत्नी को आपका प्यार भरा मैसेज दिखेगा तो यकीन मानिए, आपका एक छोटा-सा प्यार भरा मैसेज पत्नी का पूरा दिन खुशहाल बना देगा। आपको भी उसे खुश देखकर खुशी होगी।

जी हां, दांपत्य रिश्तों में मिठास महंगे उपहारों से नहीं, छोटी-छोटी बातों और सच्चे प्रेम से आती है। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी पत्नी को खुश रख सकते हैं, उसे यह महसूस करा सकते हैं कि वह आपकी जिंदगी में बहुत ही खास है।

रिश्ते
दीपिका शर्मा

कभी भी दो लोगों के विचार हमेशा एक समान नहीं हो सकते। ऐसे में रिश्ते को मधुर-मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि आपसी मतभेद के बावजूद हम एक-दूसरे का सम्मान करें और उसे मनभेद में न बदलने दें।

मतभेद को न बनने दें मनभेद

रिश्तों को निभाना भी एक कला है। जो इस कला को सीख जाता है, वह संतोषजनक जीवन जीता है। वहीं जो इससे वंचित रहता है, वह तनावपूर्ण रिश्ते और असंतोष से घिरा रहता है। रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है, क्योंकि दो अलग परिवेश से जुड़े लोगों का मिलन, दो अलग विचारों का मेल होता है। जब विचार अलग होते हैं, तो थोड़ी नोक-झोंक और टकराव होता ही है। लेकिन इसे सहजता से जिया जा सकता है, बजाय मनभेद में बदलकर। क्योंकि जब मनभेद पैदा होता है, तो रिश्तों को निभाना बेहद कठिन हो जाता है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि मनभेद, रिश्तों के टूटने का एक प्रमुख कारण बनता है। ऐसे में जरूरी है कि जहां हमारे विचार भिन्न हों, वहां विचारों का विरोध करें, व्यक्ति का नहीं।

वैचारिक भिन्नता को स्वीकारें: हम सबकी सोच अलग हो सकती है, क्योंकि हर किसी के अनुभव, माहौल और परिस्थितियां अलग होती हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि केवल विचारों का अलग होना रिश्तों में खटास का कारण बन जाए और हम एक-दूसरे से दूर हो जाएं। कभी-कभी सही व्यक्ति भी गलत सोच सकता है, और जिसे हम गलत समझते हैं, वह भी कभी सही विचार रख सकता है। अगर हम हर मतभेद को 'मनभेद' में बदल देंगे, तो विश्वास पर टिके रिश्ते भी डगमगा जाएंगे। इससे न केवल रिश्ते टूटेंगे, बल्कि समाज भी बिखरने लगेगा। इसलिए कुछ बातें हैं, जो मतभेद को मनभेद बनने से रोक सकती हैं।

सम्मान का रखें ध्यान: किसी के साथ असहमति का अर्थ विरोध करना है, अपमान करना नहीं। जब हम किसी की बात से सहमत नहीं होते, तो हमारा पहला कर्तव्य है कि हम अपनी बात को विनम्रता और सम्मान के साथ रखें। कठोर शब्द, ताने या व्यंग्य सामने वाले के मन को आहत करते हैं और बात का मूल उद्देश्य खो जाता है। सम्मान बना रहेगा, तो संवाद के द्वार हमेशा खुले रहेंगे।

बहस करें तो मर्यादा के साथ: बहस का उद्देश्य जीतना नहीं, समझना होना चाहिए। जब बहस मर्यादा से बाहर चली जाती है, तो वह विवाद बन जाती है। आवाज ऊंची करने, व्यक्तिगत आरोप लगाने या पुरानी बातों को उछालने से स्थिति और बिगड़ती है।

सोच बदलिए पर संबंध नहीं: जीवन में परिस्थितियां और अनुभव हमारी सोच को बदलते रहते हैं। यह बदलाव आवश्यक भी है, लेकिन इस बदलाव के कारण यदि हम अपने रिश्तों को ही बदल दें या तोड़ दें, तो यह भावनात्मक संतुलन को प्रभावित करता है। विचार बदल सकते हैं, पर अपने लोगों के प्रति जुड़ाव और अपनापन बना रहना चाहिए।

बोलने के साथ सुनना जरूरी: अकसर हम अपनी बात कहने में इतने व्यस्त रहते हैं कि सामने वाले को सुनना ही भूल जाते हैं। सही संवाद तभी संभव है, जब हम ध्यानपूर्वक सुनें और समझने की कोशिश करें। सुनने से गलत फहमियां कम होती हैं।

विचारों पर बात करें: किसी के विचार से असहमत होना ठीक है, लेकिन उस व्यक्ति के चरित्र या व्यक्तित्व पर सवाल उठाना गलत है। 'तुम हमेशा गलत सोचते हो।' जैसे वाक्य संबंधों में दूरी पैदा करते हैं, जबकि 'मुझे इस विचार से असहमति है' कहना स्वस्थ संवाद को बढ़ावा देता है।

समय-स्थिति का ध्यान रखें: हर बात कहने का एक सही समय और तरीका होता है। गुस्से में या तनाव के समय की गई चर्चा अकसर विवाद में बदल जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम सही समय का चयन करें।

सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाइए: हर मतभेद को नकारात्मक रूप में देखने के बजाय, उसे एक अवसर के रूप में देखें, एक-दूसरे को बेहतर समझने का अवसर। हमें यह समझना जरूरी है कि सकारात्मक दृष्टिकोण रिश्तों में मिठास बनाए रखता है।

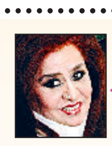

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

ग्लोइंग फेस के लिए इफेक्टिव होम रेमिडीज

चेहरा धोने के लिए यूज किए जाने वाले कुछ फेस वॉश में केमिकल्स होते हैं, जिनको लगाने से चेहरे पर दाग, धब्बे उभरने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में चेहरा बदसूरत या डल दिखने लगता है। इनसे बचने के लिए अगर आप आसानी से तैयार होने वाले घरेलू हर्बल उत्पादों का चेहरे पर इस्तेमाल करें तो बेहतर परिणाम नजर आएंगे।

कच्चा दूध: कच्चे दूध को कॉटन पैड की मदद से चेहरे पर लगाएं और पांच मिनट तक चेहरे की क्लींजिंग करें। इसके बाद चेहरे को साफ ताजे पानी से धो डालें। कच्चा दूध कील-मुंहासों को हटाने में मददगार होता है। इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरा कोमल-चमकदार हो जाता है।

दही: अगर आप रोज सुबह चेहरे पर दही लगाएंगी, तो इससे त्वचा दिन भर फ्रेश और खिली-खिली नजर आएगी। रात में चेहरे पर दही लगाने से, त्वचा पर मौजूद सारी गंदगी और धूल-मिट्टी आसानी से निकल जाती है। आप 2 चम्मच दही में 2 चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं। 20-25 मिनट बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए आप कुछ दिनों तक रोजाना चेहरे पर दही लगा सकती हैं। दही, बेसन और हल्दी का फेस पैक स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह सभी स्किन टाइप के लोगों के लिए अच्छा होता है।

हल्दी-दूध फेस पैक: आधा छोटा चम्मच हल्दी पावडर में दो छोटे चम्मच दूध मिलाएं। इसे अच्छी तरह से मिलाकर फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। फेस पैक को सूखने दें। हल्के हाथों से रब करते हुए पानी से त्वचा को साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो-तीन बार लगाएं।

एलोवेरा जैल: एलोवेरा जैल को त्वचा पर सीधा अप्लाई किया जा सकता है। पौधे से निकाला गया जैल पत्ते की लुगदी होती है और पत्तियों के अंदरूनी हिस्सों में पाई जाती है। एलोवेरा को घरेलू उपचार के तोर पर प्रयोग करने में पहले पौधे को पूरी तरह धो लेना चाहिए फिर पूरी स्वच्छता का ध्यान रखते हुए एलोवेरा जूस या जैल को प्रतिदिन चेहरे पर 20 मिनट तक लगाकर साफ ताजे पानी से धो डालें। यह त्वचा को मुलायम बनाए रखने में मदद करता है।

शहद: शहद का इस्तेमाल मास्क से लेकर नेचुरल मॉयश्चराइजर के रूप में किया जा सकता है। मॉयश्चराइजर त्वचा को कोमल, हेल्दी और आकर्षक बनाए रखता है। इसके लिए दो-तीन चम्मच कच्चा दूध और इतनी ही मात्रा में शहद लेकर इसका मिश्रण बना लें। इसको अपने चेहरे, गर्दन और शरीर के खुले भागों पर लगाएं फिर आधे घंटे बाद पानी से धो डालें। आप इसे दिन में दो बार उपयोग में ला सकती हैं।

योगा जोन
दिव्यज्योति 'नंदन'

हालांकि प्रेग्नेंसी के दौरान हैवी वर्कआउट या कठिन आसन करना हार्मफुल हो सकता है। लेकिन डॉक्टर की सलाह पर ट्रेनर की निगरानी में अगर कुछ सरल योगासन करें तो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान योगा बरतें सावधानियां

प्री-नेटल योगा आमतौर पर बहुत धीमी गति से की जाने वाली वो प्रैक्टिस है, जो गर्भावस्था के दौरान हमारे शरीर में आने वाले शारीरिक और भावनात्मक बदलावों को सपोर्ट करने के लिए की जाती है। यह योगा गर्भावस्था के शुरुआती दिनों से शुरू होकर डिलीवरी तक आसानी से किया जा सकता है। प्री-नेटल योगा आप घर पर रहकर ऑनलाइन, यू-ट्यूब द्वारा दिखाए गए वीडियोज के जरिए भी कर सकती हैं। लेकिन इसे करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर कर लें और योगा ट्रेनर के निर्देशन में करना ही सुरक्षित रहेगा।

योगासन करने के फायदे: हल्के-फुल्के योगासन गर्भावस्था में पूरी सुरक्षा देते हैं और इनके जरिए आप श्वास पर नियंत्रण करके अपने रक्त संचार को बेहतर कर सकती हैं। इससे अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ अपना एक गहरा कनेक्शन भी महसूस कर सकती हैं। यह योगा प्रैक्टिस, पेन फ्री गर्भावस्था के लिए आपको शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करता है। आप इन आसनों को करके एनर्जेटिक फील करती हैं।

सावधानी से करें प्रैक्टिस: जो महिलाएं प्रेग्नेंट हैं और जिन्होंने अभी तक योगा शुरू नहीं किया है, उनको योगासन करने के लिए सर्टिफाइड प्री-नेटल ट्रेंड इंस्ट्रक्टर से ही ट्रेनिंग लेनी चाहिए। शुरूआत में मंद गति से सांस लेना और छोड़ना, शरीर को धीरे-धीरे स्ट्रेच करने और गर्भावस्था के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किए गए बेसिक पोस्चर के साथ योगा करना चाहिए। क्योंकि गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में नए-नए तरह के बदलाव होते हैं। इसके लिए इसे रोज हर हाल में करने की बजाय उतना ही करना चाहिए, जिससे आपको थकान न लगे। ज्यादा कठिन आसन और एडवांस पोस्चर, विशेष तौर पर बिना किसी एक्सपर्ट की गाइडेंस के नहीं करने चाहिए। आपका शरीर जिन आसनों को करने में रिलैक्स फील करे, आपको उतना ही श्रम करना चाहिए, तभी आपका शरीर धीरे-धीरे योगासन के लिए अपने आपको शारीरिक रूप से तैयार कर सकता है।

रखें इन बातों का ध्यान: प्रेग्नेंसी के दौरान योगा करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें।

- प्री-नेटल योगासन डॉक्टर की सलाह पर ही योगासन करें।
- श्वसन क्रिया, हल्के-फुल्के पोस्चर जैसे कैट पोज, मलासन पर ही फोकस करें।
- सीने की मांसपेशियों और एडविक फ्लोर को मजबूती देने वाले आसन ही करें।
- मेडिटेशन और प्राणायाम करें।
- उन्हीं आसनों को करें, जो आपको एकाग्रचित होने में सहयोग करें और आपके लिए आरामदेह साबित हों।
- कमर को पीछे की ओर ज्यादा मोड़ने वाले, अचानक मुद्रा में बदलाव करने वाले, जंप बैक और दूसरे कठिन आसन करने से परहेज रखें।
- कपालभाति या सांस रोकने वाले आसन भी किए जा सकते हैं।
- ज्यादा स्ट्रेचिंग न करें, क्योंकि इन दिनों हार्मोनल बदलाव के कारण शरीर में लचीलापन आ जाता है, जो जोड़ों के सेहत के लिए सही नहीं होता।

खबर संक्षेप

ताजपुर स्कूल के दो कर्मचारी सेवानिवृत्ति

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ताजपुर के संस्कृत अध्यापक रामकुमार एवं क्लर्क भूपसिंह के सम्मान में सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अटेली खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी (अटेली) डॉ. देवेंद्र हरित उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। सबसे पहले ग्राम ताजपुर के ग्रामीण एवं सरपंच राजकुमार टाइगर ने दोनों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

प्राचार्य का सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नौताना में सोमवार को प्राचार्य सत्यपाल यादव की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीईओ सुरेश यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक वीरेंद्र, बलवंत, रतीराम, प्राचार्य सतीश, महेंद्र सिंह, कर्मचारी नेता सुजान मालड़ा, डीपीसी कार्यालय से डॉ. विक्रम, सहायक ओमप्रकाश शर्मा ने प्राचार्य के कार्यकाल पर प्रकाश डाला।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत हुई कार्यशाला

कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा व सरकार की योजनाओं की जानकारी दी

1. अजीत सिंह कलवाड़ी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला
2. डॉ. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत किया
3. भारतीय जनता पार्टी की जड़ें मजबूत वैचारिक आधार पर टिकी हुई हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत मंडल नांगल सिरोही प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में विधायक महेंद्रगढ़ कंवर सिंह यादव मौजूद रहे। कार्यशाला में वक्ता के रूप में अजीत सिंह कलवाड़ी व पूर्व चेयरमैन जेपी सैनी मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति तथा केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण कार्यशाला का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का मंच संचालन जिला महामंत्री योगेश शास्त्री ने किया। अजीत सिंह कलवाड़ी ने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान राष्ट्रवादी नेता थे। जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मानना था कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे और इसी सिद्धांत के लिए उन्होंने संघर्ष किया। उनका बलिदान देश की एकता के लिए एक प्रेरणास्रोत है।

डॉ. मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना कर राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत किया और देश की राजनीति में एक नई दिशा दी। विधायक कंवर सिंह यादव ने भाजपा का इतिहास एवं विकास विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास राष्ट्रवाद, सेवा और समर्पण की भावना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा देशहित को सर्वोपरि मानते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करती रही है। भारतीय जनता पार्टी की जड़ें मजबूत वैचारिक आधार पर टिकी हुई हैं। जो कार्यकर्ताओं के समर्पण और संगठन की ताकत से निरंतर आगे बढ़ी है। पूर्व चैयरमैन मार्केट कमेटी जेपी सैनी ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा दिया गया एकात्मक मानववाद का सिद्धांत मानव और समाज के समग्र विकास की बात करता है।

भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं।पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीति-नीति और अनुशासन का पालन करते हुए समाज की सेवा के लिए कार्य करता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम का शुभारंभ करते विधायक कंवर सिंह यादव। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अशोक कुमार, मंडल अध्यक्ष संदीप बचीनी, प्रदीप कुमार, अमरसिंह, मोहनलाल, चंद्रकला, दीपक कुमार, डॉ नरेश कुमार, राजेश सिंह खेड़की, नफेसिंह, कृष्ण सरपंच देवनगर, राहुल यादव खातोद, विकास यादव, यज्ञदत्त व रोशनलाल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका का वार्षिक परिणाम घोषित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में सोमवार को वार्षिक परिणाम घोषणा समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से लेकर 11वीं तक के विद्यार्थियों का परिणाम दो चरणों में घोषित किया गया। पहले चरण में कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के परिणाम की घोषणा की गई, जबकि दूसरे चरण में कक्षा छठी से नौवीं व कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों का परिणाम घोषित किया गया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। प्राइमरी हेड उमा यादव ने कहा कि बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए केवल अंक ही नहीं, बल्कि उनके नैतिक मूल्यों, व्यवहार व आत्मविश्वास का विकास भी अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय का उद्देश्य हर बच्चे को एक अच्छा नागरिक बनाना है। उपप्राचार्य संदीप खैरवाल ने कहा कि हर विद्यार्थी में अपार संभावनाएं होती हैं। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

हरियाणा स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

नारनौल। मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व निदेशिका संगीता शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने शैक्षणिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों व विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि आज के बच्चे देश के कल के कर्णधार है। प्राचार्य अवनीश सैनी ने सत्र 2025-26 की विद्यालय की उपलब्धियों का ब्यौरा अभिभावकों व आगंतुकों के समक्ष रखा। चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व निदेशिका संगीता शर्मा ने सभी का स्वागत किया और विद्यालय प्रांगण में उपस्थित होने पर सभी का आभार जताया। इस मौके पर रामनिवास डीपीई, अशोक यादव, संजय कुमार, मुकेश, नरेश कुमार, लोकेश कुमार, दीपक कुमार, शुभराम यादव, जोगिंद्र कुमार, लक्ष्मी चौहान, वन्दना सैनी, अल्पना शर्मा, सुमन आदि मौजूद थे।

लिपिक मालाराम हुए सेवानिवृत्त

नारनौल। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू से अपनी 32 वर्ष की सेवा उपरांत मालाराम लिपिक सेवानिवृत्त हुए। कैलाश यादव प्राचार्या ने मालाराम लिपिक की 32 वर्ष की कुशल सेवा, कार्यशैली व मिलनसार स्वभाव की प्रशंसा की और उनको आगामी जीवन की बधाई दी। विद्यालय परिवार के स्टाफ सदस्यों ने बुक्के, स्मृति चिह्न व अन्य गिफ्ट देकर सम्मानित किया। यादव ने कहा कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने के पश्चात वह अपना पूरा समय सामाजिक कार्यों में दें। मंच संचालन राजेंद्र सिंह ने किया। विभिन्न विद्यालयों से आए हुए अतिथियों का प्रवेश यादव ने स्वागत किया।

भगवत शर्मा को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघाना रोड स्थित बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में कार्यरत भगवत शर्मा अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में सादगीपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के दौरान सहकर्मियों ने भगवत शर्मा के लंबे व सराहनीय सेवाकाल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में निष्ठा, ईमानदारी व जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

इस अवसर पर अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने कहा कि भगवत शर्मा का कार्य के प्रति समर्पण व अनुशासन विभाग के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। अंत में भगवत शर्मा को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर एसडीओ लोकेश कुमार, एसडीओ दीपक यादव, सुपरीटेंडेंट रईस यादव, आशीष शर्मा, देवेंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, बिजेंद्र यादव, अमित ढिल्लो, राजकुमार शर्मा, विनोद यादव, कैलाश चंद, पवन कुमार, संदीप कुमार, ओमसिंह, सुशील सैनी, संदीप भारद्वाज, नवदीप यादव, अशोक सैनी, उमेश सैनी, धीरज यादव, दीपक शर्मा, अजय सैनी, संजोकता आदि मौजूद थे।

नारनौल। सेवानिवृत्ति पर विदाई देते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

■ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव करेंगे शिरकत

श्रीकृष्णा स्कूल में 31 मार्च को प्रातः 9 से दोपहर 2 बजे तक शैक्षणिक सत्र 2025-26 के वार्षिक पुरस्कार वितरण और अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा।। इस समारोह में स्कूल के होनहार विद्यार्थियों की वर्षभर की कड़ी मेहनत, समर्पण और उपलब्धियों को लेकर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में चेयरमैन डा. बीरसिंह यादव शिरकत करेंगे, जो मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के तौर पर स्कूल के सीईओ कर्मवीर राव और डा. कविता उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाएंगे। प्राचार्य रवि प्रकाश ने बताया कि 31 मार्च का दिन स्कूल के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल मेधावी छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित करना है, बल्कि सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी मंच प्रदान करना है।

स्कूल की नींव 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' और 'संस्कार' के संगम पर टिकी है, और यह समारोह उसी परंपरा को आगे बढ़ाएगा।

आरपीएस में हुआ 'ग्रेजुएशन सेरेमनी'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय के प्रांगण में यूकेजी के नन्हे छात्रों के लिए एक शानदार 'ग्रेजुएशन सेरेमनी' का आयोजन किया गया। यह अवसर न केवल इन छोटे बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न था, बल्कि उनके सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने का एक माध्यम भी बना। समारोह की मुख्यातिथि ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने अद्भुत आत्मविश्वास का परिचय दिया। विभिन्न सामाजिक विषयों और जीवन मूल्यों पर आधारित लघु नाटिकाओं और नृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से 'सेव अर्थ' और 'सेव एनिमल्स' की थीम पर प्रकृति से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने डिजिटल जागरूकता के लिए 'डिच द फोन एंड एम्ब्रेस द लाइफ' के जरिए मोबाइल की दुनिया से बाहर निकलकर वास्तविक जीवन जीने का संदेश दिया।

'क्लीनलीनैस' थीम पर आधारित प्रस्तुति ने स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि जब बच्चा एक कक्षा से दूसरी कक्षा में प्रवेश करता है, तो उसमें नया आत्मविश्वास पैदा होता है।

नारनौल। सेवानिवृत्ति पर विदाई देते हुए। फोटो: हरिभूमि

छात्र संवाद कार्यक्रमों से जेजेपी को मिल रहा समर्थन

मंडी अटेली। जननायक जनता पार्टी द्वारा आयोजित किए जा रहे छात्र संवाद कार्यक्रमों को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पार्टी नेता बेदू राता ने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा जेजेपी की नीतियों से जुड़ रहे हैं और पार्टी में बंपर जॉइनिंग हो रही है। उन्होंने बताया कि यह छात्र संवाद कार्यक्रम हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें युवाओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी जा रही हैं और उनके समाधान का भरोसा दिया जा रहा है। कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को राजनीति से जोड़ना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। बेदू राता ने आगे कहा कि इन कार्यक्रमों के समापन के बाद पार्टी प्रदेश भर के लगभग एक हजार गांवों का दौरा करेगी।

एसडीएम ने ली कमेटी की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

एसडीएम कार्यालय में सोमवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित उप मंडल स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने की। एसडीएम ने अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की वर्तमान स्थिति और उन पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अधिनियम से संबंधित मामलों में जांच प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। उन्होंने लाभार्थियों को दी जाने वाली राहत व पुनर्वास सहायता राशि के वितरण की प्रगति पर भी चर्चा की।

एसडीएम ने कहा कि इस अधिनियम के तहत यदि किसी गैर अनुसूचित जाति के व्यक्ति द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्ति पर अत्याचार किया जाता है, तो पीड़ित को सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाती है। यह सहायता राशि विभिन्न श्रेणियों जैसे ट्यूबवेल की हानि, चल अचल संपत्ति का नुकसान, स्थाई या अस्थाई अपंगता, बलात्कार व हत्या जैसे गंभीर मामलों में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना है। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर डीएसपी, तहसील कल्याण अधिकारी ममता, लिपिक शीशराम, भागीरथमल मौजूद थे।

नारनौल। बैठक लेते एसडीएम अनिरुद्ध यादव।

भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन ने एसडीएम के मार्फत प्रदेश के श्रम मंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग की है कि पंजीकरण पोर्टल को खोला जाए। उन्होंने मांग की कि मजदूरों का पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल किया जाए, पंजीकरण ऑफलाइन ऑनलाइन दोनों तरीकों से किया जाए, पंजीकरण में 90 दिन की अनावश्यक शर्तों को हटाया जाए, चार लेबर कोड निरस्त किए जाएं, फैमिली आईडी की शर्त को हटाया जाए, मनरेगा मजदूरों को साल में 200 दिन काम और 800 प्रतिदिन बिहारी दी जाए, सभी कारीगर मजदूरों को गांव में 100-100 गज के प्लाट और शहरों में 50 50 गज के प्लाट दिए जाएं, लेबर चौक पर मजदूरों को खड़ा होने के लिए शेड बनाया जाए, स्मार्ट मीटर लगाना में बिजली की बिल बार-बार बढ़ाना बंद किया जाए। इस अवसर पर संगठन के प्रधान सीताराम ने बताया कि सरकार लगातार मजदूर विरोधी नीतियां ले रही है जिससे मजदूरों के जीवन में आर्थिक संकट व कठिनाइयां बढ़ रही है। इस अवसर पर महावीर गोद, बलबीर सिंह, रतनलाल यादव, रामावतार, राजकुमार, बंसीधर, मोहरसिंह, मास्टर सूबेसिंह आदि उपस्थित रहे।

नारनौल। सचिवालय परिसर में ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री विष्णु एवं माता लक्ष्मी के दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार के साथ किया गया

धूमधाम से मनाया श्री विष्णु भगवान मंदिर का 44वां स्थापना दिवस

मंदिर परिसर में प्रातः काल भव्य हवन यज्ञ का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रेलवे रोड स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर का 44वां स्थापना दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में प्रातःकाल भव्य हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर प्रभारी शंकर के निर्देशन में भगवान श्री विष्णु एवं माता लक्ष्मी के दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान को नवीन एवं पारंपरिक विशेष जालीदार पोशाक अर्पित की गई, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। हवन उपरान्त शंकर ने कहा कि सनातन हिंदू धर्म में हवन का विशेष महत्व है। हवन-यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है तथा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इससे मन को शांति मिलती है और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मंदिर प्रभारी शंकर ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री विष्णु भगवान मंदिर का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष बड़े ही भव्य रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि लगभग 44 वर्ष पूर्व इस मंदिर का निर्माण श्री श्री 1008 श्री हरिनाथ महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं साधु-संतों की उपस्थिति में कराया गया था।

हवन-यज्ञ का आयोजन पंडित मुकेश शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधानपूर्वक संपन्न कराया गया। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर आहुतियां दिलवाईं और यज्ञ को शास्त्रोक्त रीति से पूर्ण किया।

महेंद्रगढ़। मंदिर में आयोजित हवन में आहुति पर अर्चना करते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में मंदिर समिति के प्रधान मनोहर लाल झूकिया अपनी धर्मपत्नी मन्नी देवी एवं हर्षित अपनी धर्मपत्नी सोनिया के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंदिर समिति के कोषाध्यक्ष रामानंद शर्मा, पूर्व नपा प्रधान शकुंतला मित्तल, गोपाल कृष्ण धींगड़ा, सुशील कुमार अग्रवाल, मनोज कुमार, मोहित कुमार, आरूष, अजय सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

पॉलिटेक्निक टीम ने टहला में चलाया जागरूकता अभियान

नारनौल। ग्रामीणों को डस्टबीन प्रदान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक की ओर से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गांव टहला में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सामाजिक जागरूकता के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान संस्थान की टीम ने गांव के लोगों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं को स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। इस अभियान में बीएमडी फाउंडेशन (कनीना) की काउंसलर पिंकी यादव का भी सहयोग रहा, जिसके माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर गांव में हेल्थ हाइजीन किट, डस्टबिन आदि सामग्री वितरित की गई तथा उपस्थित ग्रामीणों के लिए रिफ्रेशमेंट की भी व्यवस्था की गई। टीम ने ग्रामीणों को साफ-सफाई अपनाने, बीमारियों से बचाव करने और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कॉलेज की ओर से अंजनी कुमार, ज्योति मंगला तथा विद्यार्थी गण उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया। इस संबंध में संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव ने कहा कि उन्नत भारत अभियान के तहत इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाना और समाज के समग्र विकास में योगदान देना है।

कार्यालय सरपंच ग्राम पंचायत मेघोत हाला

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मेघोत हाला के पास एक पुराना पानी का टैंकर, सबमर्सिबल मोटरें, जीआई कन्डम पाईप, पीयुसी कुर्सियां है। जिनकी नीलामी दिनांक 06.04.2026 को होनी है। इच्छुक पार्टियां बोली में हिस्सा ले सकती है। बोली की शर्ते मौके पर सुनाई जाएगी।

सरपंच ग्राम पंचायत मेघोत हाला

गाड़ियों के रूट तय न होने से कई वार्डों में नहीं पहुंच रही सफाई सेवा

5 साल के लिए 12 करोड़ का टेंडर, फिर भी सफाई व्यवस्था बेपटरी

- जगह-जगह गंदगी के ढेर से लोग परेशान
- गंदगी से बढ़ा बीमारी का खतरा, लोगों में नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में सफाई व्यवस्था एकबार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई स्थानों पर कूड़े के ढेर दिनों तक नहीं उठाए जा रहे, जिससे बदबू के साथ-साथ मच्छर और मक्खियों का प्रकोप भी बढ़ गया है। वहीं दूसरी ओर बता दें कि अबकी बार क्लासिक मैन पॉवर नामक एजेंसी को नगर परिषद ने नया टेंडर जारी किया है। यह टेंडर पांच साल का है तथा लगभग 12 करोड़ रुपये में दिया गया है। इतनी मोटी रकम सफाई के नाम पर देने के बावजूद सफाई ही नहीं होना, लोगों के गले से नहीं उतर रहा। गौरतलब है कि गत 20 मार्च को विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव और नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी ने डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली नई एजेंसी के टेंडर का शुभारंभ किया था। इस दौरान कूड़ा उठाने वाले टैंपुओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था। नई कंपनी को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वह आधुनिक संसाधनों के जरिए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाएगी। उस समय दावा किया गया था कि हर वार्ड में नियमित रूप से कूड़ा उठाया जाएगा और लोगों को गंदगी से पूरी तरह निजात मिलेगी, लेकिन

नारनौल। सीआइए रोड अंडरपास के पास पड़ी गंदगी। फोटो : हरिभूमि

जमीनी हकीकत इन दावों के बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है। शहर के अधिकांश वार्डों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। कई जगहों पर डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां पहुंच ही नहीं रही हैं। ऐसे में लोग मजबूरी में घरों का कचरा खाली प्लॉट, सड़कों के किनारे या गली के नुक्कड़ों पर डाल रहे हैं, जिससे गंदगी का अंबार लग गया है। कमाल की बात यह है कि अनेक जगहों पर नवरात्र से ही सफाई नहीं हो रही, जिस कारण शहर गंदगी में तब्दील होता जा रहा है।

रूट चार्ट न बनने से बिगड़ी व्यवस्था

नई कंपनी द्वारा कार्यभार संभालने के बाद सबसे बड़ी समस्या गाड़ियों के रूट चार्ट को लेकर सामने आई है। अभी तक शहर के सभी वार्डों और गलियों का स्पष्ट रूट निर्धारित नहीं किया जा सका है। इसी कारण कई क्षेत्रों में कूड़ा उठाने की गाड़ियां नियमित रूप से नहीं पहुंच पा रही हैं।

महिलाएं मजबूरी में फेंक रही कूड़ा, पशु फैला रहे गंदगी

गाड़ी नहीं आने की वजह से खासकर महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में कूड़ा जमा होने पर वे उसे इधर-उधर फेंकने को मजबूर हो रही हैं। इसके बाद आवारा पशु उस कूड़े में मुंह मारकर उसे और ज्यादा फैला देते हैं, जिससे हालात और खराब हो जाते हैं। कई इलाकों में तो कूड़े के ढेर मुख्य मार्गों तक फैल चुके हैं, जिससे राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। बदबू के कारण आसपास के दुकानदारों और निवासियों का जीना दूभर हो गया है।

बीमारियों का बढ़ा खतरा, लोगों में रोष

शहर में फैली गंदगी के चलते स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ गए हैं। कूड़े के ढेरों में पनप रहे मच्छर और मक्खियां डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। नागरिकों में इसको लेकर खासा रोष देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि जब नई व्यवस्था लागू की गई थी, तब बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन अब वे दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

यह बोले सफाई इंचार्ज

नगर परिषद के क्लीनिंग एसआई सतेंद्र यादव का कहना है कि नई कंपनी को शहर की गलियों और मोहल्लों की पूरी जानकारी नहीं है, जिसके चलते शुरुआती दिनों में दिक्कतें आ रही हैं। अब गाड़ियों के लिए रूट चार्ट तैयार किया जा रहा है, ताकि हर वार्ड तक नियमित रूप से सफाई सेवा पहुंच सके।

यह बोले सुपरवाइजर

क्लासिक मैन पॉवर एजेंसी के सुपरवाइजर संजू कुमार ने बताया कि शुरुआत में शहर का एरिया समझने में दिक्कत आई थी, लेकिन अब सुचारु रूप से सफाई कार्य शुरू कर दिया गया है। शहर को जल्द ही साफ-सुथरा बना दिया जाएगा और कहीं गंदगी के ढेर नजर नहीं आएंगे।

खबर संक्षेप

अमित संभालेंगे चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी

महेंद्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नेता अमित मिश्रा को पार्टी ने आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव के प्रचार अभियान में अहम जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, सक्रियता और पूर्व अनुभव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर यह भरोसा जताया है। अमित मिश्रा इससे पहले भी कई राज्यों के चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली सहित विभिन्न प्रदेशों में संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया है।

2 को जनसमस्याएं सुनेंगी स्वास्थ्य मंत्री

मंडी अटेली। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव दो अप्रैल को अटेली स्थित अपने कार्यालय में क्षेत्र के लोगों की जनसमस्याएं सुनेंगी। आमजन अपनी समस्याएं सीधे मंत्री के समक्ष रख सकेंगे, जिनका मौके पर ही समाधान किया जाएगा। ग्रीवेंस कमेटी सदस्य एडवोकेट बबली यादव ने बताया कि वीरवार को मंत्री आरती सिंह राव रेवाड़ी से चलकर सुबह नौ बजे माजरा गांव में शहीद सिद्धार्थ अमर वाटिका का उद्घाटन करेंगी।

कल अनाज मंडी में गेहूं की खरीद की तैयारियां

मंडी अटेली। अटेली अनाज मंडी में एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू होगी। इसे लेकर मंडी प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। हालांकि अटेली अनाज मंडी में गेहूं की आवक बह कम रहती है, लेकिन फिर भी खरीद व्यवस्था पूरी तरह से तैयार रखी गई है। इस समय क्षेत्र में सरसों की फसल निकल चुकी है। जो अनाज मंडी में पहुंच रही है। जानकारी देते हुए हेफेड के सीनियर मैनेजर सत्येंद्र ने बताया कि खरीद को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है।

बैंक शाखा पर गई पुलिस बाद में चला रोजमर्रा का कार्य

नारनौल। कोटेक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में करीब 160 करोड़ के गबन को लेकर प्रदेश सरकार एक्शन लेने के मुंड में है। प्रदेश के कई जिलों में जब सोमवार इन बैंक की शाखा ओपन हुई तो वहां पुलिस पहुंच गई। इस दृश्य से महेंद्रगढ़ व नारनौल भी अछूता नहीं रहा। दोनों जगह पुलिस पहुंची। कुछ देर स्टाफ के साथ बातचीत की और फिर वहां से चली गई। जब यह सूचना बैंक उपभोक्ताओं को लगी तो भीड़ जुटने लगी।

दौंखेरा के वीर हनुमान मंदिर में भंडारा कल

नांगल चौधरी। दौंखेरा के वीर हनुमान मंदिर में एक अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर भजनोपदेश व भंडारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें सैकड़ों गांवों के श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगे। महंत उदयनारायण दास ने बताया कि मंदिर में महावीर जयंती पर भंडारा व मेला आयोजन की परंपरा बनी हुई है। एक अप्रैल सुबह 9:15 बजे हवन किया जाएगा। दोपहर के 11 बजे भंडारा शुरू होगा।

ग्रामीणों ने किया विधायक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

जैलाफ गांव में रास्तों की बदहाल स्थिति पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव जैलाफ में मुख्य रास्ते, गलियारों व जैलाफ-चिंडालिया रास्ता की बदहाल स्थिति पर ग्रामीणों का फूट पड़ा। महिलाएं खेतों में काम करते हुए प्रदर्शन में शामिल हुई। इसके बाद विधायक कार्यालय पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें गांव के गलियारों, मुख्य रास्ता, फिरनी का रास्ता व जैलाफ-चिंडालिया रास्ता के शीघ्र निर्माण की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत, मुकेश कुमार पंच व तिलोक चन्द पंच, छितरमल नम्बरदार, धर्मपाल, गुलजारी लाल, मुकेश कुमार, दया, बाबूलाल बोहरा, महीपाल, रामकृपाल, कमला, मिसरली देवी, मीना, बाला, शशि ने ग्राम पंचायत सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन विधायक ओमप्रकाश यादव को सौंपा तथा गांव के गलियारों, मुख्य रास्ते, गांव की गलियां, गांव की फिरनी व जैलाफ-चिंडालिया रास्ते के निर्माण की मांग की। जिस पर विधायक ने शीघ्र ही गांव के खराब रास्ते ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग व जैलाफ-चिंडालिया रास्ते को मार्केट कमेटी द्वारा बनवाने की बात कही। इस अवसर पर ग्रामीणों व महिलाओं ने कहा कि इस समय रबी सीजन फसल की कटाई व

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

कढ़ाई का काम खेतों में जोरों पर है। हम अपने घरों व खेतों के बेहद आवश्यक कामों को छोड़कर विधायक के कार्यालय पर प्रदर्शन में शामिल हुए है। चिलचिलाती धूप व गर्मी में ग्रामीण व महिलाएं गांव के रास्ते पक्का करो, जैलाफ-चिंडालिया रास्ता का निर्माण करो जैसे नारों लगाए। महिला कमला ने कहा कि गांव के मुख्य रास्ते पर उनका घर है, घर से बाहर निकलकर उबड़ खाबड़ रास्तें में गिर गई। मिसरली ने बताया कि चिंडालिया रास्ता पर खेतों में जाते हुए रास्ते में गिर गई, जिससे हाथ फैक्चर हो गया तथा एक घंटे तक बेहोश रही। अचानक गिरने से बीपी भी असामान्य हो गया और हाथ में अभी भी दर्द रहता है। छाजूराम रावत ने कहा कि गांव जैलाफ की सीम, खेत चिंडालिया रास्ता पर लगते हैं, खेतों में आने जाने के लिए ग्रामीणों, खेत मजदूरों व महिलाओं को भारी दिक्कत है। इतना ही नहीं चिंडालिया गांव से स्कूली बच्चे छात्र-छात्राएं जैलाफ की सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जाते हैं, अब नया शिक्षा सत्र शुरू होने जा रहा है, यह रास्ता बनने से स्कूली बच्चों का नांमाकन बढ़ेगा और राज्य सरकार की बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के अभियान को बल मिलेगा। इस मौके पर मुकेश कुमार पंच, तिलोक चन्द पंच, रामकृपाल, महीपाल, मुकेश मुकदम, गुलजारी लाल, अजीत, छितरमल नम्बरदार, राजेन्द्र, विजय फौजी, मीना, बाला, शशि, बर्फी, धूमली आदि उपस्थित थे।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों ने रोडवेज बस के फेरे बढ़ाने व नए बोरवेल नलकूप के लिए दो हजार मीटर लम्बी जीआई पाइप लाइन की मांग की। जिस पर विधायक ने शीघ्र ही रोडवेज बस के फेरे बढ़ाने व नए बोरवेल नलकूप की पाइप लाइन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। गांव की ढाणियों भाई बहादुर की ढाणी, बाबूलाल बोहरा जी की ढाणी, रामभज रामप्रकाश की ढाणी, तेजा की ढाणी, बाबूलाल की ढाणी, जग्गा की कुमार ढाणी, भरत सिंह, सुमेर सिंह की ढाणी, नहर के साथ रमेश, शीशराम व रतीराम की ढाणी में पानी, बिजली की व्यवस्था, रास्ते बनाने की भी मांग की। जिस पर विधायक ने कहा कि राज्य सरकार के नियमानुसार पांच किलोमीटर की परिधि में बनी ढाणियों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। श्रमिक संगठन एआईयूटीयूसी के जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह, किसान संगठन एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डॉ. व्रतपाल सिंह ने ग्रामीणों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार व प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की।

सतनाली मंडी। मेले में मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव को स्मृति चिह्न भेंट करते कमेटी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

आस्था और परंपरा का प्रतीक हैं मेले: कंवर सिंह

- सतनाली में बाबा भैरव का मेला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

चैत्र शुक्ल पक्ष की एकादशी के अवसर पर कस्बे में बाबा भैरव का भव्य मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। सतनाली स्थित बाबा भैरव मंदिर परिसर में रविवार को आयोजित इस मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर तेल और प्रसाद चढ़ाकर बाबा भैरव से सुख समृद्धि की कामना की व बाबा के दरबार में मत्था टेका और अपनी मनोकामनाएं मांगी। भैरव दल सेवा समिति प्रधान राजेंद्र शर्मा ने बताया कि मेले के मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि धर्मवीर गोठवाल ने की। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत व समाजसेवी नरेश शेखावत विशिष्ट अतिथि रहे। मेले के दौरान इनामी कुश्ती दंगल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें 51 हजार, 21 हजार व 11 हजार रुपये सहित 51 से 5100 रुपये की कुश्ती कर आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित 11 हजार रुपये की कुश्ती में पहलवान सुमित, दादरी ने पहलवान विजय धनाना को हराया, जबकि 21 हजार की कुश्ती पहलवान विकास मानहेरू व पहलवान उत्तम नौगांवा के बीव बराबरी पर रही। मुख्य अतिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि बाबा भैरव का यह मेला हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से समाज में भाईचारा बढ़ता है और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है।

विधायक ओमप्रकाश यादव ने निभाया मित्रता का धर्म, दोस्त से मिलने पहुंचे

80 वर्षीय बुजुर्ग रोशनलाल को दो दिन पूर्व आवारा कुत्ते ने काटकर किया घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

मित्रता हो तो ऐसी। जी हां, ये किसी फिल्म स्टोरी की उक्ति नहीं बल्कि सौ फीसदी सही चरितार्थ हुई हैं। हुआं यूं कि चंदपुरा निवासी करीब 80 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति रोशनलाल को दो दिन पूर्व आवारा कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया। इस पीड़ा में परिजन उसे टीकाकरण करवाने चले तो उन्होंने अपनी जिंदगी का समय नजदीक बताकर विधायक ओमप्रकाश यादव से मुलाकात करने की बात कही, जो उनका पुराना साथी रहा है। उनका पुत्र पवन कुमार अस्पताल में इंजेक्शन लगवाने के लिए ले गया, तो रोशनलाल ने पुनः विधायक से मिलने की इच्छा जताई। पवन कुमार गाड़ी में बैठाकर अपने पिता को लेकर विधायक के निवास पर पहुंचा। रोशनलाल द्वारा कही गई बात बताने पर विधायक ओमप्रकाश यादव भी बिना देर किए तत्परता से बाहर चले आए। जिस गाड़ी में रोशनलाल बैठे थे, उसी गाड़ी में बैठकर हालचाल जाना।

कनीना। रोशनलाल से बातचीत करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

जवानों की विभागीय समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

नारनौल। पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में एसपी कार्यालय में पुलिस जवानों के लिए कल्याण गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें आईपीएस, डीएसपी मुख्यालय व कनीना डीएसपी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों की विभागीय समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करना था। बैठक की शुरूआत पिछली गोष्ठी में उठाए गए मुद्दों और शिकायतों की समीक्षा के साथ हुई। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि पुरानी सभी लंबित शिकायतों का उचित निपटान कर दिया गया है। इसके उपरांत अधिकारियों ने जवानों की ओर से रखी गई नई समस्याओं को ध्यानपूर्वक से सुना। इस दौरान जवानों ने मुख्य रूप से पुलिस कैंटीन में सामान की उपलब्धता, पुलिस लाइन में पानी की समस्या और वहां घूमने वाले आवारा कुत्तों का मुद्दा, पुलिस लाइन व थाना तथा चौकियों में मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग कराने की बात अधिकारियों के समक्ष रखी। एसपी ने कहा कि थाना व चौकियों में पीने के पानी के लिए वाटर कूलर को चेक कर ठीक कराएं और वहां लगे पंखे व कूलर की जांच कर उन्हें ठीक कराएं।

शिविर में 82 नागरिकों ने रखी शिकायतें

डीसी बोले, नागरिकों की समस्यायों का समाधान सबकी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन का एकमात्र लक्ष्य जन सेवा है और इसके लिए हम सब 24 घंटे तत्पर हैं। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिले में लगातार समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। डीसी सोमवार को लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में आयोजित जन समाधान शिविर के बाद उपस्थित अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इस शिविर के दौरान कुल 82 नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा, जिन पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशासन के सभी अंग एक ग्रुप की भांति जन सेवा के लिए समर्पित हैं। प्रत्येक नागरिक की समस्या का सही और पारदर्शी तरीके से समाधान करना हम सबकी नैतिक तथा प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को सचेत किया कि सरकार इन समाधान शिविरों को लेकर बेहद गंभीर है और स्वयं मुख्यमंत्री लगातार इनकी प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। ऐसे में जन शिकायतों के निवारण में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिविर के दौरान पुलिस अधीक्षक ने भी मौजूद रहकर पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों की गहनता से सुनवाई की और मौके पर ही आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। बैठक में एसडीएम अनिरुद्ध यादव, डीएमसी रणवीर सिंह, नगराधीश डॉ. मंगल सेन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नारनौल। आमजन की समस्याएं सुनते डीसी कैप्टन मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

वारदात | कैमरे में कैद संदिग्ध, दानपात्र का ताला तोड़ा, ग्रामीणों में आक्रोश

3 साल में फिर सागरपुर हरनाम गिरी मंदिर में चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव सागरपुर स्थित हरनाम गिरी मंदिर में बीती रात्रि चोरी की वारदात को चोरों ने अंजाम दिया। चोर ने मंदिर में रखे दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें से हजारों रुपये की नकदी चुरा ली और मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 12 बजे जब गांव के कुछ युवक मंदिर में पहुंचे तो उन्होंने दानपात्र का ताला टूटा हुआ देखा। दानपात्र खुला पड़ा था और उसमें रखी नकदी गायब थी। इसके बाद युवकों ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर गांव में फैलते ही मंदिर परिसर में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और लोगों में रोष देखने को मिला। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने जांच शुरू की। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति कंबल ओढ़े हुए नजर आया। हालांकि चोर ने अपनी पहचान छिपाने के लिए पहले ही मंदिर में लगे तीन सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए थे। इतना ही नहीं सिहमा से सागरपुर कट पर पंचायत द्वारा लगाए गए कैमरों के तार भी क्षतिग्रस्त पाए गए। सूचना मिलने पर थाना अटेली प्रभारी सज्जन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कई घंटों तक घटनास्थल का निरीक्षण किया। गांव के सरपंच सुबेसिंह ने बताया कि यह दान पत्र सागरपुर में मेला दिसंबर 2025 में भरा था तभी दान पात्र खोला गया था। वहीं मंदिर में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। जिससे ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और मंदिरों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है और वे जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

मंडी अटेली। हरनाम गिरी मंदिर में टूटा हुआ दान पत्र व मंदिर परिसर में संदिग्ध व्यक्ति कंबल ओढ़े हुए।

शिव लिंग पर अज्ञात व्यक्तियों ने चढ़ाया था खून

बता दें कि आपको वर्ष 2023 में 22 मार्च की रात्रि इसी मंदिर के दानपात्र में से पैसे चोरी कर समीप के खेत में दानपात्र को चोर फेंक गए थे। उसके बाद उसी वर्ष 10 अगस्त की रात्रि को सागरपुर के इसी मंदिर के शिव लिंग पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा खून चढ़ाने व दूसरे मंदिर धर्म गिरी मंदिर में रखे कलश में गंदगी फेंकी हुई मिली थी जिससे शिव भक्तों व ग्रामीणों में रोष देखा गया। लगभग एक वर्ष पहले भी मंदिर के एक पुजारी का रात्रि के समय मोबाइल चोरी हो गया था। सीसीटीवी की सहायता से उसे चोर को पकड़ा गया था।

फसल कटाई सीजन में सुरक्षा के लिए बदला कृषि फीडर का सप्लाई शेड्यूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

क्षेत्र में किसानों को ध्यान में रखते हुए कृषि फीडर के बिजली आपूर्ति के समय में अस्थायी बदलाव किया गया है। इस संबंध में जारी प्रेस नोट के अनुसार 31 मार्च से 15 अप्रैल तक कृषि फीडरों की बिजली सप्लाई सुबह आठ बजे से सायं छह बजे तक, जबकि घरेलू फीडरों की बिजली सप्लाई सुबह 10 बजे से सायं पांच बजे तक बाधित रहेगी। निगम के सतनाली सब डिवीजन एसडीओ हनुमान सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इस अवधि के दौरान किसानों को अपने पशुओं व अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पानी की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। यदि मौसम खराब होता है, जैसे तेज हवा या बारिश आती है, तो निर्धारित समय से पहले भी बिजली कटौती की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में गेहूं व सरसों की फसल कटाई के लिए तैयार है और खेतों से होकर गुजर रही बिजली लाइनों के कारण शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में बिजली आपूर्ति में बदलाव किसानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की आगजनी की घटना से बचा जा सके। किसानों से यह भी अपील की गई है कि वे दिन के समय बिजली चालू करवाने के लिए किसी भी कर्मचारी या अधिकारी पर दबाव न बनाएं। साथ ही अपने ट्रांसफॉर्मर के आसपास 10-10 फीट तक फसल की सफाई रखें, ताकि बिजली की चिंगारियों से नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि यह निर्णय किसानों के हित और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।